PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Navbharat Times, Delhi
Fri, 17 Feb 2017, Page 12
Width: 17.10 cms, Height: 18.63 cms, a4, Ref: 58.2017-02-17.33

फार्मा सेक्टर के लिए अलग मंत्रालय की तैयारी

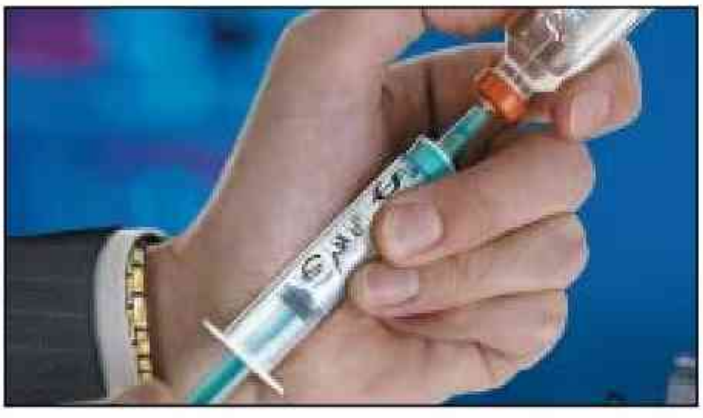

■ **प्रस, नई दिल्ली :** सरकार फार्मा और मेडिकल डिवाइसेज सेक्टर के लिए अलग मंत्रालय बनाने पर विचार कर रही है। फिलहाल यह मामला पीएमओ के विचाराधीन है। बताया जाता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद आयुष के बाद दवाओं और मेडिकल डिवाइसेज के लिए अलग मंत्रालय गठित करना चाहते हैं। दवा कंपनियां और कई संगठन अरसे से सरकार से इस बाबत मांग कर रहे हैं। दरअसल, इस समय दवाओं और मेडिकल डिवाइसेज सेक्टर का कामकाज स्वास्थ्य मंत्रालय और केमिकल मिनिस्ट्री मिलकर देखते हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय का ड्रग कंट्रोलर जनरल का कार्यालय जहां नई दवाओं और डिवाइसेज को मंजूरी देता है, वहीं रसायन मंत्रालय नैशनल फार्मास्युटिकल अथॉरिटी के जरिए इनके दामों पर नियंत्रण रखता है। इसके कारण कई बार इनके रेगुलेशन में गड़बड़ी होती है। सरकार इसी कारण इसके लिए एक अलग मंत्रालय बनाने पर विचार कर रही है। सूत्रों का कहना है कि प्रधानमंत्री मोदी ने आयुष सेक्टर को रफ्तार देने के लिए अलग मंत्रालय का गठन किया था। पहले यह विभाग केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत था और वहां आयुष की उपेक्षा हो रही थी। वह दवा और मेडिकल डिवाइसेज के लिए भी अलग मंत्रालय बनाने के पक्ष में हैं, ताकि इस सेक्टर का कामकाज रफ्तार पकड़ सके। नए मंत्रालय का गठन जल्द ही किए जाने के संकेत हैं।